तहिान: पहली स्वायत्त नेवगिशन सुवधिा

वज्ञिान और प्रौद्योगकिी मंत्रालय ने IIT हैदराबाद में **"स्वायत्त नेवगिशन पर प्रौद्योगकिी नवाचार हब" या TiHAN** का उद्घाटन कयिा है, जो पहली **"स्वायत्त नेवगिशन"** सुवधिा है।

- इसे '**आत्मनरि्भर भारत**', '**स्कलिगि इंडयिा**' और '**Error! Hyperlink reference not valid.**' के भारत के दृष्टकिोण की ओर एक कदम के रूप में देखा जाता है।

तहिान क्या है?

- यह एक बहु-वषियक पहल है, जसिका उद्देश्य भारत को भवषि्य और अगली पीढ़ी की "स्मार्ट मोबलिटिी" तकनीक में एक वैश्वकि अभकिर्ता बनाना है।
- बहु-वभिागीय पहल में वद्युित, कंप्यूटर वज्ञिान, यांत्रकि और एयरोस्पेस, नागरकि, गणति के शोधकर्त्ता शामलि हैं।
- वर्तमान में वाहनों के स्वायत्त नेवगिशन का मूल्यांकन करने के लयि भारत में ऐसी कोई परीक्षण सुवधिा नहीं है। अतः कनेक्टेड ऑटोनॉमस व्हीकल्स (CAV) पर आधारति एक पूरी तरह कार्यात्मक और अनुकरणीय परीक्षण सुवधिा वकिसति करके इस अंतर को दूर करने की कल्पना की गई है।
    - कनेक्टेड वाहन एक-दूसरे से सूचना-संचार करने, ट्रैफकि सग्निल, संकेतों और अन्य सड़क संबंधी मदों से जुड़ने या क्लाउड से डेटा प्राप्त करने के लयि प्रौद्योगकिी का उपयोग करते हैं। यह सूचना-संचार सुरक्षा में मदद करता है और यातायात को सुवधिाजनक बनता है।

महत्त्व:

- यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर **अकादमकि, उद्योग और अनुसंधान एवं वकिास प्रयोगशालाओं** के बीच उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान के लयि एक अनूठा मंच प्रदान करेगा, इस प्रकार भारत को स्वायत्त नेवगिशन प्रौद्योगकियिों में वैश्वकि रूप से अग्रणी बना देगा।
- भारत का मोबलिटिी सेक्टर दुनयिा के सबसे बड़े बाज़ारों में से एक है और TiHAN - IITH स्वचालति वाहनों के लयि भवषि्य की तकनीक ।
- स्वायत्त नेवगिशन (एरयिल और टेरेस्ट्रयिल) पर परीक्षण कयि गए TiHAN-IITH हमें अगली पीढ़ी की स्वायत्त नेवगिशन तकनीकों का सटीक परीक्षण करने और तेज़ी से प्रौद्योगकिी वकिास एवं वैश्वकि बाज़ार में प्रवेश की अनुमतदिेगा।

स्रोत: मटि

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tihan-first-autonomous-navigation-facility